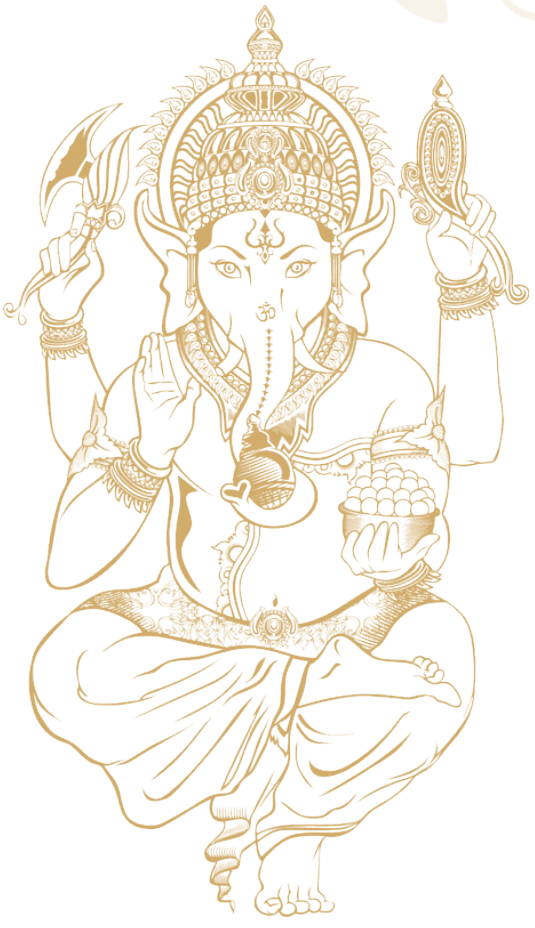

Mr. Nikhil

Ms. Harshada

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121359704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/01/1999	जन्म तिथि	31/03/2004
बुध-गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 05:16:00	जन्म समय	08:35:00 घंटे
घटी 55:01:16	जन्म समय(घटी)	05:56:21 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:29	सूर्योदय	06:12:27
17:44:52	सूर्यास्त	18:38:31
23:50:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 16वर्ष 0मा 26दि	29:50:45	वृश्चि	लग्न	वृष	01:39:31	**शनि 8वर्ष 5मा 26दि**
शुक्र	29:30:05	धनु	सूर्य	मीन	16:49:47	**बुध**
08/02/2022	17:23:42	वृश्चि	चंद्र	कर्क	10:42:34	**25/09/2012**
08/02/2042	00:44:15	तुला	मंगल	वृष	12:22:05	**26/09/2029**
शुक्र 10/06/2025	16:30:43	धनु	बुध	मेष	05:22:31	बुध 22/02/2015
सूर्य 10/06/2026	00:11:13	मीन	गुरु व	सिंह	16:49:16	केतु 19/02/2016
चन्द्र 09/02/2028	17:48:43	मक	शुक्र	वृष	02:44:10	शुक्र 20/12/2018
मंगल 10/04/2029	03:08:39	मेष	शनि	मिथु	12:52:49	सूर्य 27/10/2019
राहु 10/04/2032	28:37:44	कर्क व	राहु व	मेष	17:45:56	चन्द्र 27/03/2021
गुरु 10/12/2034	28:37:44	मक व	केतु व	तुला	17:45:56	मंगल 24/03/2022
शनि 08/02/2038	17:49:14	मक	हर्ष	कुंभ	10:57:21	राहु 11/10/2024
बुध 09/12/2040	07:41:52	मक	नेप	मक	20:52:50	गुरु 17/01/2027
केतु 08/02/2042	15:41:57	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	28:19:20	शनि 26/09/2029

लग्न-चलित

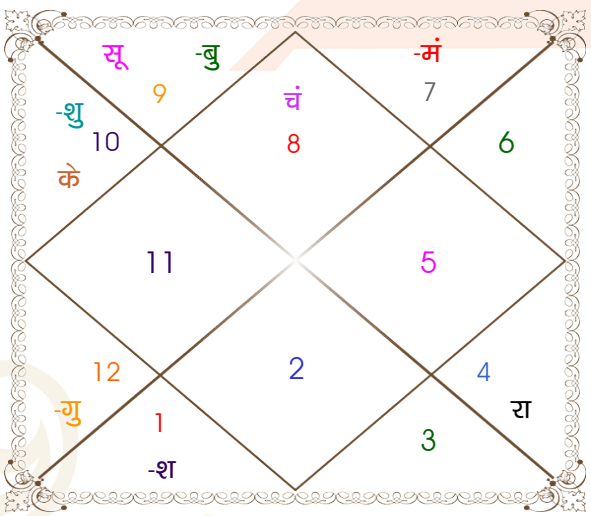

लग्न-चलित

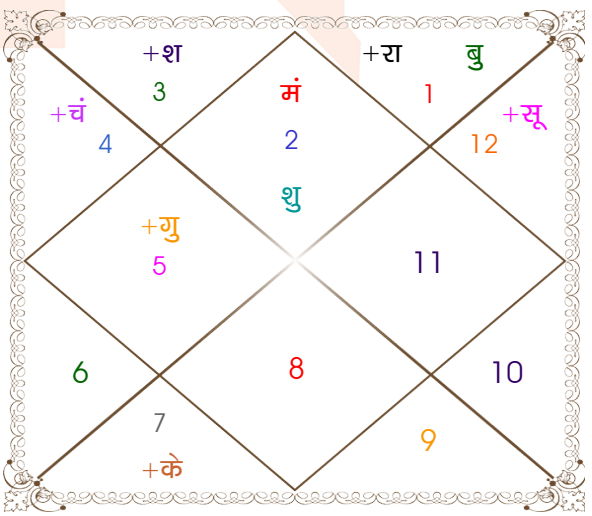

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण छपीपस का वर्ग सर्प है तथा डेण भ्तेींकं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण छपीपस और डेण भ्तेींकं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण छपीपस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण छपीपस कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण भ्तेींकं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डेण भ्तेींकं कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण छपीपस कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण छपीपस तथा डेण भ्तेींकं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।